रेड डे ▶ लाल पोशाक पहनकर स्कूल पहुंचे नर्सरी के नन्हे-मुन्ने बच्चे

अशोका हॉल स्कूल में मनाया गया रेड डे

नवभारत, जबलपुर। अशोका हॉल स्कूल की नर्सरी कक्षा में 'रेड डे' का आयोजन बड़े ही उत्साह, उमंग और आनंदपूर्ण वातावरण के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चे लाल रंग की बेहद आकर्षक और सुंदर वेशभूषा पहनकर विद्यालय पहुंचे थे, जिससे पूरा परिसर लाल रंग के उल्लास से सराबोर नजर आया। छोटे बच्चों को रंगों की प्रारंभिक समझ विकसित करने और खेल-खेल में सिखाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर बच्चों के साथ-साथ शिक्षिकाओं में भी भारी उत्साह देखा गया। स्कूल के प्रांगण में सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल रहा, जहां लाल पोशाक पहने बच्चों की चंचलता देखते ही बन रही थी। इस रचनात्मक पहल की सराहना करते हुए स्कूल प्रबंधन ने बच्चों की इस सुंदर प्रस्तुति को उनके मानसिक और सामाजिक विकास के लिए बेहद जरूरी बताया।

लाल रंग की वस्तुओं से सजी आकर्षक कक्षाएं

इस उत्सव को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्कूल प्रबंधन द्वारा नर्सरी कक्षा को लाल रंग की विभिन्न सुंदर सजावटी वस्तुओं, गुब्बारों और चित्रों से बहुत ही कलात्मक ढंग से सजाया गया था। इस रचनात्मक सजावट का मुख्य लाभ यह रहा कि इससे नन्हे बच्चों को लाल रंग की पहचान करने और उसे अपने आसपास के वातावरण से जोड़ने में काफी सहायता मिली। इस आयोजन का मूल उद्देश्य बच्चों को प्राथमिक रंगों की श्रृंखला में लाल रंग की व्यावहारिक पहचान कराना, उनके सूक्ष्म अवलोकन कौशल को विकसित करना तथा शिक्षण प्रक्रिया को उनके लिए पूरी तरह से मनोरंजक और आनंददायक बनाना था। कक्षाओं के भीतर चारों तरफ लाल सेब, गुलाब, स्ट्रॉबेरी और अन्य आकृतियों के कट-आउट लगाए गए थे, जिन्होंने बच्चों का ध्यान पूरी तरह आकर्षित किया। इस दृश्य शिक्षण पद्धति के माध्यम से बच्चों ने बड़ी सहजता से रंग की बारीकियों को समझा, जो कि उनके व्यावहारिक ज्ञान को और मजबूत बनाएगी।

रोचक गतिविधियों में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

समारोह के दौरान बच्चों की मानसिक और संज्ञानात्मक क्षमता को बढ़ाने के लिए कई रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने अपने आसपास मौजूद लाल रंग की विभिन्न वस्तुओं को पहचानने, उन्हें सबके सामने दिखाने और उनके बारे में अपनी भाषा में बताने वाली मनोरंजक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विशेष रूप से आयोजित 'शो एंड टेल' गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने घर से अपने साथ लाई हुई लाल रंग की खिलौने, फल और अन्य वस्तुओं का परिचय मंच से बहुत ही सुंदर तरीके से दिया जिससे उनका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ा।

शिक्षिकाओं ने की प्रस्तुतियों की सराहना

इस रंग-बिरंगे उत्सव के दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका आस्था कथूरिया, समन्वयक दीपाली साहू तथा शिक्षिकाएँ शिवानी परिहार, विभूति पटेल, रैनी जैन एवं जागृति रजनी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। सभी उपस्थित शिक्षिकाओं ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा पूरी सूझबूझ के साथ सभी गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित किया। बच्चों की इस सक्रिय और उत्साहपूर्ण सहभागिता ने रेड डे के इस पूरे दिन को स्कूल के इतिहास में हमेशा के लिए यादगार बना दिया और अभिभावकों ने भी स्कूल की इस अनूठी और ज्ञानवर्धक पहल की जमकर सराहना की।

सही स्तनपान और कंगारू मदर केयर से बढ़ा बच्ची का वजन

नवभारत, मंडला। जिला चिकित्सालय मंडला के स्पोषण पुनर्वास केंद्र से कुपोषण के खिलाफ जंग जीतकर छह माह की मासूम बच्ची पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर लौट आई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी. जे. मोहंती ने बताया कि नारायणगंज ब्लॉक के ग्राम छपारा निवासी संतोष और सुकमती उरेती की 6 वर्षीय बेटी कीर्ति उरेती को 23 मई 2026 को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से एनआरसी में भर्ती कराया गया था।

भर्ती के समय बच्ची का वजन मात्र 3.615 किलोग्राम और लंबाई 59 सेंटीमीटर थी, जिसके कारण वह अति कुपोषण की श्रेणी में आ रही थी। डॉक्टरों द्वारा केस हिस्ट्री लेने पर पता चला कि कामकाजी महिला होने के कारण मां बच्ची को पर्याप्त और सही तरीके से स्तनपान नहीं करा पा रही थी। एनआरसी प्रभारी डॉ. कमलेश और स्टाफ की निगरानी में सबसे पहले मां की काउंसलिंग की गई और उसे स्तनपान कराने की सही विधि सिखाई गई। इसके साथ ही बच्ची को कंगारू मदर केयर के माध्यम से गर्म रखा गया और जरूरी चिकित्सा उपचार दिया गया। फीडिंग डिमॉन्स्ट्रेटर श्रीमती रश्मि वर्मा ने मां को बच्चे की देखभाल और ऊपरी पोषण आहार जैसे मसला हुआ आलू, केला, दाल का सूप और खिचड़ी देने की समझाइश दी।

परिजनों ने जताया आभार

14 दिनों की उचित देखरेख के बाद डिस्चार्ज के समय बच्ची का वजन बढ़कर 3.990 किलोग्राम हो गया। बच्ची अब पूरी तरह स्वस्थ है और मां भी सफलतापूर्वक स्तनपान करा रही है। बच्ची की मां सुकमती ने अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एनआरसी में मेरी बच्ची की बहुत अच्छी देखभाल हुई, जिससे उसका वजन बढ़ गया है। मैं और मेरा पूरा परिवार बेहद खुश हैं और जिला प्रशासन व अस्पताल टीम को धन्यवाद देते हैं।

नॉन-अटेंड सीएम हेल्पलाइन शिकायतों पर लगेगा जुर्माना : कलेक्टर

मंडला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने जिला योजना भवन में आयोजित समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, जन कल्याण शिविर, रोजगार मेला, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री धोटे ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि नॉन-अटेंड शिकायतों के लिए संबंधित जिला अधिकारियों पर नियमानुसार जुर्माना अधिरोपित किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी माह में कोई भी शिकायत नॉन-अटेंड श्रेणी में नहीं रहनी चाहिए।

साइबर अपराधों के प्रति लोगों को किया जागरूक

नारायणगंज। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत थाना टिकरिया द्वारा व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला स्तर से प्राप्त प्रचार-प्रसार वाहन एवं पुलिस टीम ने क्षेत्र में भ्रमण कर नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी प्रदीप पाण्डेय ने किया। उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने, बैंक खाते की जानकारी मांगने, सोशल मीडिया हैकिंग, ऑनलाइन लोन एवं निवेश के नाम पर धोखाधड़ी जैसे मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को सतर्क एवं जागरूक रहने की आवश्यकता है।

ग्रामीणों को दी साइबर सुरक्षा की जानकारी- जागरूकता रैली के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाजार क्षेत्र, सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। नागरिकों को समझाया गया कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ अपनी बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड अथवा व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें।

वीरांगना रानी दुर्गावती के रज कलश का हुआ विधि-विधान से पूजन

मंडला। वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के पावन अवसर पर उनके जन्मस्थल कालिंजर जिला बांदा, उत्तर प्रदेश से मंडला लाया गया पवित्र रज कलश आकर्षण का केंद्र रहा। स्थानीय माहिष्मती घाट पर इस रज कलश का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया, जहाँ उपस्थित प्रबुद्धजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर वीरांगना के शौर्य को नमन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत रामदास जी महाराज सहस्त्रधारा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रीमती रेखा नायर रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला संयोजक प्रमोद शाह मरावी ने रानी दुर्गावती के बलिदान पर संक्षिप्त विचार रखे। इसके बाद विशिष्ट अतिथि डॉ. रेखा नायर ने वीरांगना के जीवन, त्याग और अदम्य साहस पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उपस्थित युवाओं को उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का संकल्प दिलाया। आयोजित कार्यक्रम में नीरज अग्रवाल द्वारा मंच संचालन और अतिथियों के परिचय के बाद सभी उपस्थित जनों ने माँ नर्मदा के तट पर विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का समापन किया। इस संपूर्ण आयोजन की व्यवस्था सुधीर कांसकार, राजेश दीक्षित और कार्यक्रम संयोजक प्रमोद शाह मरावी के संयुक्त प्रयासों से संपन्न हुई। अंत में कैलाश डेहरिया ने आभार व्यक्त किया।

सरहदों के पार पहुंची आदिवासी बाहुल्य के जामुन की मिठास

▶ जंगलों और खेतों में मौजूद हैं जामुन की 20 दुर्लभ प्रजातियां

मंडला. मध्य प्रदेश का आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला इन दिनों बैंगनी रंग की अनूठी आभा और सौंधी मिठास से सराबोर है। यहाँ की जामुन का स्वाद न केवल मध्य प्रदेश के अन्य जिलों बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी बेहद पसंद किया जा रहा है।

जानकारी अनुसार जामुन का यह मौसम केवल स्वाद प्रेमियों के लिए ही उत्सव जैसा नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए एक महा-वरदान की तरह है। आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार यह फल मधुमेह, खून की कमी, पाचन तंत्र की जटिलताओं और यहाँ तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से लड़ने में भी मानव शरीर की सहायता करता है। स्थानीय व्यापारियों और जानकारों के अनुसार जामुन का यह प्राकृतिक फल बाजार में जून माह की शुरुआत से दस्तक देता है और जुलाई के मध्य के बाद इसकी पैदावार स्वत: समाप्त हो जाती है। मंडला के जामुन की मिठास इतनी बेजोड़ है कि स्थानीय मांग पूरी होने के बाद इसे बड़े पैमाने पर दूसरे जिलों और राज्यों में भेजा जाता है। वर्तमान में खुदरा बाजार और हाईवे के किनारों पर यह जामुन 50 से 60 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बिक रहा है।

वनांचल की महिलाओं को मिला सशक्त रोजगार

मंडला जिले में जामुन के कारोबार पुरुषों की तुलना में महिलाओं द्वारा किया जाता है। इस सीजन में जामुन तोड़कर बेचने वाले ग्रामीण प्रतिदिन औसतन 300 रुपये से अधिक की शुद्ध आमदनी कर लेते हैं। वनस्पति विज्ञानियों के अनुसार पूरे देश में जामुन की लगभग 40 प्रजातियां पाई जाती हैं। जिसमें खाल्हेगिठौरी, झुरकी पौड़ी, सहजर बनिया, घुटास, मवई, बिछिया, घुघरी, मोहगांव और चाबी जैसे क्षेत्रों में जामुन के वृक्षों की भारी भरमार है।

आयुर्वेदिक चिकित्सा में गुठली का विशेष महत्व

स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि पूर्व में छोटी जामुन खरीदने पर नागपुर जैसी बड़ी मंडियों में घाटा उठाना पड़ा था, जिसके कारण अब व्यापारी इसे खरीदने से बचते हैं। हालांकि आयुर्वेदिक चिकित्सा के क्षेत्र में इस छोटी जामुन और इसकी गुठली का महत्व सबसे अधिक माना गया है। इसकी गुठली ब्लड शुगर को नियंत्रित करने वाली दवाओं के निर्माण में रामबाण सिद्ध होती है। यदि सरकार या कोई निजी संस्था इन छोटी जामुनों को सीधे एकत्र कर आयुर्वेदिक कंपनियों को इसकी गुठलियां सप्लाई करे और पल्प का उपयोग व्यावसायिक सिरका बनाने में करे, तो यह अनुपयोगी दिखने वाला फल भी वनांचल के लिए सोने की खान साबित हो सकता है। आवश्यकता है तो बस एक सुनियोजित नीति और प्रोत्साहन की, ताकि मंडला की इस प्राकृतिक संपदा का सही मूल्य स्थानीय आदिवासियों को मिल सके।

जामुन में है औषधीय गुण

जामुन में विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन बी की प्रचुरता होती है। जामुन से पाचन तंत्र मजबूत होता है, पाचन शक्ति को मजबूत करने और पेट संबंधी विकारों को दूर करने में यह बेहद गुणकारी है। जामुन से क्रोनिक बीमारियां से बचाव होता है, जिसमें मधुमेह नियंत्रण, हृदय स्वास्थ्य की रक्षा, अर्थराइटिस में राहत और रक्त शुद्धिकरण में सहायक होता है।

उमंग सिंघार का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

नारायणगंज। मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के मंडला जिले के घुघरी प्रवास के दौरान नारायणगंज आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने गमछा पहनाकर तथा पुष्पमालाओं से उनका अभिनंदन किया। नारायणगंज बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर पहुंचकर उमंग सिंघार ने विधिवत पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन की मजबूती, क्षेत्रीय समस्याओं एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में विकास कार्यों, जनता की समस्याओं तथा प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर अपने विचार रखे। उमंग सिंघार ने कार्यकर्ताओं की बातों को गंभीरता से सुनते हुए जनता के हितों की आवाज को मजबूती से उठाने और संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा निविदा क्रमांक : जबल/एलसी/टी/2026/03R

कार्यकारी विद्युत इंजी. (निर्माण) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से अनुभवी ठेकेदार से ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है जिनके पास वैध 'A' श्रेणी का विद्युत लाईसेंस जो कि किसी भी राज्य सरकार द्वारा जारी किया गया हो (अपने फर्म के नाम पर या अपने नाम पर यदि सोल प्रोपराइटर या किसी एक पार्टनर के पर हो) निम्न लिखित कार्या हेतु ऑन लाईन प्रस्ताव ही स्वीकार किये जायेंगे इस ठेका के विरुद्ध मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और ऐसा प्राप्त मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। **निविदा सूचना क्रमांक** : जबल/एलसी/टी/2026/03R, दिनांक 19.06.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** : खजुराहो-पन्ना-सतना-रीवा- सीधी-सिंगरौली नई बीजी रेल लाइन परियोजना के तहत पश्चिम-मध्य रेलवे के जबलपुर डिवीजन से संबंधित नागोद, फुलवारी, देवेन्द्र नगर, सकरिया, पन्ना, बड़खेड़ा, सूरजपुर एवं सब्दुआ स्टेशन पर स्टेशन/सर्विस भवनों कवर ओवर प्लेटफार्म, स्टेशनों एवं कॉलोनी क्षेत्र के सर्कुलाटिंग क्षेत्र एवं पहुंच मार्ग, क्वार्टरों का विद्युतीकरण, पम्पों का प्रावधान एवं संबंधित स्टेशनों पर नए विद्युत कनेक्शन के साथ 33/11/440 केवी उपकेन्द्रों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग तथा अन्य सम्बंधित शेष कार्य पश्चिम-मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के सतना-पन्ना-खजुराहो नई बीजी रेल लाइन परियोजना से संबंधित ।", **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत)** : 13,35,67,065.88, **निविदा फार्म की कीमत रुपये** : 0.00/-, **कार्यालय का पता** : उप मुख्य विद्युत इंजी. (निर्माण), भूतल सीपीएम -प्रोजेक्ट भवन जबलपुर 482001 (म.प्र), **बिड सिक्युरीटी (रुपये)** : 26,71,400. 00/-, **समापन अवधि** : 18 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय** : 14.07.2026 (15:00 बजे तक ।), **निविदा खुलने की तिथि एवं समय** : 14.07.20 26 (15:30 बजे तक या उपरांत) निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेब साईड https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है तथा उप मुख्य विधुत इंजी. (निर्माण) जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

(हस्ता)

उप मुख्य विद्युत इंजी. (निर्माण), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

प्रेरणा ▶ जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वैज्ञानिक खेती बनी सफलता की कुंजी

शून्य जुताई ने बदली ग्राम रामपुर के किसान लोचन भांवरे की तस्वीर

मंडला। मंडला जिले के आदिवासी बहुल ग्राम रामपुर के किसान लोचन भांवरे आज क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन चुके हैं। बदलते मौसम, अनियमित वर्षा और बढ़ती कृषि लागत जैसी चुनौतियों के बीच उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाकर यह साबित कर दिया कि सही मार्गदर्शन और नवाचार से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। कुछ वर्ष पहले तक श्री भांवरे पारंपरिक खेती पद्धति से खेती करते थे। धान की कटाई के बाद गेहूँ की बुवाई के लिए बार-बार जुताई करनी पड़ती थी, जिससे समय, श्रम और धन तीनों की अधिक आवश्यकता होती थी। मौसम की अनिश्चितता के कारण उत्पादन भी अपेक्षित नहीं मिल पाता था। वर्ष 2024 में जलवायु अनुकूल कृषि परियोजना के तहत बीआईएसए एवं कृषि विभाग की टीम ने ग्राम रामपुर में किसानों को शून्य जुताई तकनीक और फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। वैज्ञानिकों के सुझाव और आत्मा परियोजना के अधिकारियों के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर लोचन भांवरे ने अपने खेत में पहली बार शून्य जुताई तकनीक अपनाने का निर्णय लिया।

उन्होंने धान कटाई के बाद पराली को जलाने के बजाय खेत में ही संरक्षित रखा और हैप्पी सीडर मशीन की सहायता से सीधे गेहूँ की बुवाई की। इस तकनीक से खेत तैयार करने में लगने वाला समय कम हुआ, जुताई और मजदूरी का खर्च घटा तथा समय पर बुवाई संभव हो सकी। खेत में मौजूद फसल अवशेषों ने मिट्टी की नमी बनाए रखने, खरपतवार नियंत्रण और भूमि की उर्वरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब फसल कटाई का समय आया तो परिणाम उम्मीद से कहीं बेहतर थे। पहले जहाँ गेहूँ का उत्पादन 10 से 12 क्विंटल प्रति एकड़ मिलता था, वहीं शून्य जुताई तकनीक अपनाने के बाद उत्पादन बढ़कर 15 से 16 क्विंटल प्रति एकड़ तक पहुँच गया। अर्थात उत्पादन में लगभग 30 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। धान और मूंग की फसलों में भी 10 से 15 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ा। इस तकनीक ने केवल आर्थिक लाभ ही नहीं दिया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। पराली जलाने की आवश्यकता समाप्त होने से वायु प्रदूषण कम हुआ, मिट्टी के लाभकारी सूक्ष्मजीव सुरक्षित रहे तथा खेत की जलधारण क्षमता में सुधार हुआ। अपनी सफलता के बारे में लोचन भांवरे कहते हैं कि आज खेती की सबसे बड़ी चुनौती बदलता हुआ मौसम है। ऐसे समय में वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाना ही किसानों की सफलता का मार्ग है। नई तकनीकें खेती को लाभकारी और जलवायु के अनुकूल बनाती हैं। आज उनकी सफलता से प्रेरित होकर ग्राम रामपुर सहित आसपास के अनेक किसान भी शून्य जुताई तकनीक अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं। लोचन भांवरे की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि वैज्ञानिक सोच, आधुनिक तकनीक और किसान का दृढ़ संकल्प मिलकर खेती को समृद्ध, टिकाऊ और भविष्य के लिए सुरक्षित बना सकते हैं। लोचन भांवरे की यह सफलता कहानी मंडला जिले के किसानों के लिए आशा, नवाचार और आत्मनिर्भरता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

अचल संपत्ति की बिक्री के लिए ई-नीलामी हेतु सार्वजनिक सूचना

IIFL होम फाइनेंस लिमिटेड (IIFL-HFL) के कॉर्पोरेट कार्यालय प्लॉट संख्या 98, उद्योग विहार, फेज-IV, गुड़गांव-122015 (हरियाणा) तथा शाखा कार्यालय- 225, नेपियर टाउन, दूसरा माला, अपोजिट चन्द्रिका टॉवर्स, शास्त्री ब्रिज रोड, जबलपुर-482001 में वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (इसके बाद 'अधिनियम') के अंतर्गत बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री। जबकि IIFL-HFL के प्राधिकृत अधिकारी ('AO') ने निम्नलिखित ऋण खातो/संभावना संख्याओं में अधिनियम की धारा 13(2) के तहत जारी नोटिस के अनुसार निम्नलिखित संपत्ति/संपत्तियों का कब्जा ले लिया था. आईआईएफएल-एचएफएल के बकाये की वसूली के लिए 'जहां है जैसा है, जो है जैसा है तथा बिना किसी सहारे के आधार पर' इसे बेचने के अधिकार के साथ, बिक्री वेबसाइट : www.iiflonehome.com पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी मंच के माध्यम से नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा की जाएगी.

देनदार/सहदेनदार/ गारंटर का नाम	डिमांड नोटिस की तिथि व राशि	अचल संपत्ति/ सुरक्षित संपत्ति का विवरण	सांकेतिक कब्जा तिथि	रिजर्व मूल्य
श्री उत्तम सिंह विनोदिया कोरी श्री शुभम सिंह विनोदिया कोरी श्रीमती दुर्गा विनोदिया कोरी (प्रॉस्पेक्ट नं. 907639)	9-1-2026 रु.845889/- (रु.आठ लाख पैंतालीस हजार आठ सौ नवासी मात्र)	संपत्ति का वह भाग जिसका पता है : प्लॉट संख्या -2, एमबी401 फेज-5, वीर सावरकर वार्ड, मौजा - रानीपुर गढ़ा, शिव नगर गंगा सागर, भाग खसरा संख्या - 77/9, जबलपुर, 482002, मध्य प्रदेश, भारत। क्षेत्रफल वर्ग फुट में : संपत्ति प्रकार : भूमि_क्षेत्रफल, निर्मित_क्षेत्रफल संपत्ति क्षेत्रफल : 480.00, 450.00	13-5-2026 कुल बकाया राशि 5-6-2026 को रु. 904663.75/- (रु.नौ लाख चार हजार छह सौ तिरेसठ और पैसा पिचहत्तर मात्र)	रु.1152000/- (रु.ग्यारह लाख बावन हजार मात्र)
	बिड वृद्धि राशि रु.25,000/- (रु.पच्चीस हजार मात्र)			बयाना जमा राशि (ईएमडी) रु.115200/- (रु.एक लाख पन्द्रह हजार दो सौ मात्र)

प्रॉपर्टी निरीक्षण दिनांक	ईएमडी की अंतिम दिनांक	ई-नीलामी दिनांक/समय
25-7-2026 11.00-14.00 बजे	27-7-2026 के 5.00 बजे तक	29-7-2026 11.00 से 13.00 बजे

भुगतान का तरीका- ईएमडी भुगतान केवल ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया जाना है. भुगतान करने के लिए आपको https-//www.ifionehome.com पर जाना होगा और केवल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति के लिए उपलब्ध लिंक के माध्यम से भुगतान करना होगा. **नोट-** प्रत्येक संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति के लिए भुगतान लिंक अलग-अलग है. सुनिश्चित करें कि आप उस संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति के लिंक का उपयोग कर रहे हैं जिसे आप सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से खरीदना चाहते हैं. **शेष भुगतान के लिए** - https-//www.iiflonehome.com ›मेरी बोली ›शेष राशि का भुगतान करें पर लॉग इन करें.

नियम एवं शर्तें :-

1. ई-नीलामी में भाग लेने के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को सेवा प्रदाता https-//www. iiflonehome.com के पास अपना विवरण पहले से पंजीकृत करना होगा तथा लॉगिन खाता, लॉगिन आईडी और पासवर्ड बनाना होगा. इच्छुक बोलीदाताओं को उपरोक्त शाखा कार्यालय में ईएमडी के भुगतान विवरण, केवाईसी की प्रति तथा पैन कार्ड के साथ अपना 'निविदा प्रपत्र' जमा/भेजना होगा.
2. बोलीदाताओं को 'बोली वृद्धि राशि' कॉलम के अंतर्गत उल्लिखित राशि के गुणकों में अपनी पेशकश में सुधार करना होगा. यदि बोली नीलामी के समापन समय के अंतिम 5 मिनट में लगाई जाती है, तो समापन समय स्वत: ही 5 मिनट के लिए बढ़ जाएगा.
3. सफल बोलीदाता को बोली राशि का 25% (ईएमडी समायोजित करने के बाद) एओ द्वारा बोली मूल्य की स्वीकृति के 24 घंटे के भीतर तथा बोली राशि का शेष 75% सुरक्षित लेनदार द्वारा बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनों के भीतर जमा करना होगा. सभी जमा और भुगतान निर्धारित भुगतान विधि से किए जाएंगे.
4. क्रेता को उपकर, लागू स्टाम्प शुल्क, फीस और कोई अन्य वैधानिक बकाया या अन्य बकाया जैसे नगरपालिका कर, बिजली शुल्क, भूमि और अन्य सभी आकस्मिक लागत, संपत्ति से संबंधित सभी करों और दरों सहित प्रभारों का भुगतान करना होगा.
5. क्रेता को बिक्री राशि के लेन-देन/भुगतान पर टीडीएस आवेदन का भुगतान करना होगा और आईआईएफएल एचएफएल के साथ टीडीएस प्रमाण पत्र जमा करना होगा.
6. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे ई-नीलामी बिक्री कार्यवाही में भाग लेने के लिए अपनी बोलियाँ जमा करने से पहले नीलामी बिक्री और नीलामी आवेदन पत्र की विस्तृत शर्तों के लिए वेबसाइट https-//www.iiflonehome.com और https-//www.iifl.com/home-loans/properties-for-auction देखें.
7. ई-नीलामी पर विस्तृत जानकारी, सहायता प्रक्रिया और ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए संभावित बोलीदाता सेवा प्रदाता की ईमेल आईडी : care@iiflonehome.com, सहायता हेल्पलाइन नंबर : @1800 2672 499 पर संपर्क कर सकते हैं.
8. संपत्ति के विवरण, संपत्ति के निरीक्षण और ऑनलाइन बोली आदि से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए, सोमवार से शुक्रवार के बीच 09:30 बजे से 18:00 बजे तक IIFL HFL टोल फ्री नंबर 1800 2672 499 पर कॉल करें या ईमेल करें : care@iiflonehome.com
9. उपरोक्त उधारकर्ताओं को यह नोटिस दिया जाता है कि वे 7 दिनों के भीतर भौतिक कब्जे में लेने के समय सुरक्षित संपत्ति में पड़े घरेलू सामान को इकट्ठा करें, अन्यथा IIFL-HFL परिस्थितियों में संपत्ति के किसी भी नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होगा.
10. इसके अलावा उधारकर्ताओं को यह नोटिस दिया जाता है कि यदि वे उपरोक्त सामान इकट्ठा करने में विफल रहते हैं तो उन्हें कानून के अनुसार बेचा जाएगा.
11. यदि सफल बोलीदाता/नीलामी क्रेता द्वारा किसी भी स्तर पर निर्धारित समय के भीतर भुगतान में चूक की जाती है, तो बिक्री रद्द कर दी जाएगी तथा पहले से भुगतान की गई राशि (ईएमडी सहित) जब्त कर ली जाएगी तथा संपत्ति को फिर से बिक्री के लिए रखा जाएगा.
12. एओ बिना कोई कारण बताए निविदा/नीलामी की शर्तों को स्थगित/रद्द या बदलने का अधिकार सुरक्षित रखता है. निविदा/नीलामी में किसी भी विवाद की स्थिति में, आईआईएफएल-एचएफएल के एओ का निर्णय अंतिम होगा।

सरफेसी अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के तहत वैधानिक 30 दिन की बिक्री सूचना

उधारकर्ता को निविदा/नीलामी की तिथि से पहले ऊपर उल्लिखित राशि के साथ-साथ अद्यतित ब्याज और सहायक व्यय का भुगतान करने के लिए अधिसूचित किया जाता है, ऐसा न करने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री की जाएगी और यदि कोई बकाया है तो उसे ब्याज और लागत के साथ वसूल किया जाएगा.

स्थान- जबलपुर, दिनांक- 25-6-2026 | **एसडी/- प्राधिकृत अधिकारी, आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड**